केन्द्रीय विद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर, प्रथम पाली, वाराणसी

X-हिन्दी /द्वितीय आवधिक परीक्षा/सितम्बर-2024

समय: 2.30 **पूर्णांक : 60**

महत्त्वपूर्ण निर्देश

क. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। ख. वर्तनी तथा लेख पर ध्यान दें। ग.पूछे गए प्रश्नों के सारगर्भित उत्तर लिखें।

खंड-क (अपठित गद्यांश तथा पद्यांश)

1. निम्नांकित अपठित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें। 5

देश-प्रेम का आलंबन सारा देश होता है-देश में मौज़ूद प्रत्येक कण अर्थात मनुष्य, पशु, पक्षी, नदी, नाले, वन, पर्वत इत्यादि। यह एक साहचर्यगत प्रेम है अर्थात जिसके सान्निध्य का हमें अभ्यास पड़ जाता है, उसके प्रति लोभ या राग हो जाता है। कोई व्यक्ति सच्चा देश-प्रेमी कहला सकते की तभी सामर्थ्य रखता है, जब वह देश के प्रत्येक मनुष्य, पशु, पक्षी, लता-गुल्म, पेड़, पत्ते, वन, पर्वत नदी, निर्झर आदि सभी को अपनत्व की भावना से देखेगा। इन सबकी सुधि करके विदेश में भी आंसू बहाएगा। जो व्यक्ति देश के मूलभूत जीवन को भी नहीं जानता और उसके बाद भी वह देश -प्रेमी होने का दावा करे तो यह उसकी भूल है। जब तुम किसी के सुख-दुख के भागीदार ही नहीं बने तो उसे सुकी देखने के स्वप्न तुम कैसे कल्पित करोगे? उससे अलग रहकर अपनी बोली में तुम उसके हित की बात तो करो पर उसमें प्रेम के माधुर्य जैसे भाव नहीं होंगे। प्रेम को तराजू में तौला नहीं जा सकता। यह भाव तो मनुष्य के अंत:करण से जुड़ा हुआ है।

परिचय से प्रेम की उत्पत्ति होती है। यदि आप समझते हैं कि आपके अत:करण में देश-प्रेम के भाव उजागर हों तो आप देश के स्वरूप से परिचित हो जाइए और अपने को उस स्वरूप में समा जाने दीजिए, तभी आपके अंत:स्थल में इस इच्छा का सचमुच उदय होगा कि वह हमसे कभी न छूटे, उसके धन-धान्य की वृद्धि हो, सब सुखी हों।

वास्तव में आजकल देश के प्रति परिचय तथाकथित पढ़े-लिखे बाबुओं के लिए लज्जा का विषय हो गया है और देश-प्रेम मात्र दिखावा रह गया है। वे देश के स्वरूप से अनजान बने रहने में अपनी शान समझते हैं। इसी सन्दर्भ में अपना मत प्रस्तुत करते हुए लेखक न अतीव सरल शब्दो में व्यंग्यात्मक शैली के द्वारा उदाहरण प्रस्तुत किया है कि एक बार उसके लखनवी मित्र ने महुए का नाम लेने तक को देहाती होने का लक्षण मान लिया था। लेखक को ध्यान आया कि यह वही लखनऊ है, जहां कभी यह पूछने वाले भी थे कि गेहूं का पेड़ आम के पेड़ से बड़ा होता है या छोटा। आजकल कुछ ऐसे भी नए किस्म के तथाकथित देश-प्रेमी पैदा हो गए हैं, जिन्हें अपने देश से जरा भी परिचय नहीं है, पर दूसरे देशों के प्रति अपनी नफ़रत व्यक्त करके वे अपना देश-प्रेम सिद्ध करने की कोशिश करते हैं। दूसरे के माता-पिता की निंदा करके आप अपने माता-पिता के प्रति प्रेम को सिद्ध नहीं कर सकते।

1 **मनुष्य के मन में देश-प्रेम की उत्पत्ति कैसे होती है?**

क. प्रेम करने से ख. साहचर्य से

ग. शत्रु देश से नफ़रत करने से घ. उपर्युक्त तीनों से

2 सच्चा देश-प्रेमी होने के लिए क्या आवश्यक है?

क. अपनेपन की भावना ख. लज्जा न हो

ग. देश-प्रेम का प्रदर्शन घ. शत्रु-देश से नफ़रत करना

3 लखनवी मित्र का परिचय किस शैली में दिया गया है?

क. सरल शब्दों में　　ख. अपनत्व के साथ
ग. व्यंग्यात्मक शैली में　　घ. नवाबी शैली में

4 अंत:करण में देश-प्रेम का भाव उजागर होने से मन में कौन-कौन-सी इच्छाएं पैदा होती हैं?

5 सबसे अधिक देश-प्रेम की अनुभूति कब होती है?

2. अपठित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

ब्रह्मा से कुछ लिखा भाग्य में मनुज नहीं लाया है अपना सुख उसने अपने भुजबल से ही पाया है। प्रकृति नहीं डरकर झुकती है कभी भाग्य के बल से सदा हारती वह मनुष्य के उद्यम से, श्रम-जल से।	ब्रह्मा का अभिलेख पढ़ा करते निरुद्यमी प्राणी धोते वीर कु-अंक भाल के बहा भ्रुवों से पानी। भाग्यवाद आवरण पाप का और शत्र शोषण का जिससे रखता दबा एक जन भाग दूसरे जन का।

1 शोषण का शस्त्र किसे कहा गया है?

क. परिश्रम को　ख. भुजबल को　ग. भाग्यवाद को　घ. पाप-आवरण को

2 प्रकृति मनुष्य के आगे कैसे झुकती है?

क. भाग्य से　ख. स्वयं से　ग. परिश्रम से　घ. उपर्युक्त सबसे

3 मनुष्य ने कैसे सुख पाया है?

क. भाग्य से　ख. भुजबल से　ग. ब्रह्मा-कृपा से　घ. उपर्युक्त सबसे

4 भाग्य का रास्ता कैसे लोग देखते हैं?

क. उद्यमी　ख. निरुद्यमी　ग. परिश्रमी　घ. कु-अंक भाल वाले

5 इस काव्यांश से क्या प्रेरणा मिलती है?

क. भाग्य शक्तिशाली है　　ख. दूसरों का शोषण करिए
ग. उद्यमी बनिए　　घ. ब्रह्मा पर विश्वास रखिए

खंड-ख (व्यावहारिक व्याकरण/अलंकार)

3. निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 12

1 निम्नांकित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य कौन-सा है?

क. वे अक्सर मां की स्मृति में डूब जाते थे।　　ख. मैंने उसे समझाया और वह मान गया।
ग. कौन है, जिसने गांधी जी का नाम नहीं सुना!　　घ. वे भी क्या दिन थे!

2 इनमें से सरल वाक्य चुनकर लिखिए।

क. वह परिश्रमी था, इसलिए सफल हुआ।　　ख. परिश्रमी व्यक्ति ही सफल होते हैं।
ग. जो परिश्रमी होते हैं, वे सफल होते हैं।　　घ. जो सफल होते हैं, वे परिश्रमी होते हैं।

3 गांधी जी ने कहा था कि हमें समय पर अपने कार्य कर लेने चाहिए।–किस प्रकार का वाक्य है?

क. संयुक्त वाक्य　　ख. सरल वाक्य
ग. मिश्रित वाक्य　　घ. आश्रित वाक्य

4 **अर्पित द्वारा अब किताब पढ़ ली जाती है।**– वाच्य बताइए।

क. भाववाच्य　　ख. कर्मवाच्य

ग. कर्तृवाच्य　　घ. इनमें से कोई नहीं

5 **बूढ़े आदमी से अब चला नहीं जाता।**-वाच्य बताइए।

क. भाववाच्य　　ख. कर्मवाच्य

ग. कर्तृवाच्य　　घ. इनमें से कोई नहीं

6 **समीक्षा अब वर्तनी की अशुद्धियां नहीं करती है।**– वाच्य बताइए।

क. भाववाच्य　　ख. कर्मवाच्य

ग. कर्तृवाच्य　　घ. इनमें से कोई नहीं

7 **बाग में कुछ लोग बैठे थे।**　　**बाग** का सही पद परिचय होगा-

क. जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक

ख. व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, अपादान कारक

ग. जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, अधिकरण कारक

घ. भाववाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

8 **मैच हारने पर सब रोए थे।**　　**रोए थे** का सही पद परिचय होगा-

क. अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, भूतकाल, कर्ता सब

ख. सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, भाववाच्य, भूतकाल, कर्ता सब

ग. अकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मवाच्य, भूतकाल, कर्ता सब

घ. सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, भूतकाल, कर्ता सब

9 **प्रीति-नदी में पाउं न बोर्यो...** में कौन-सा अलंकार है?

क. उपमा अलंकार　　ख. रूपक अलंकार

ग. अतिशयोक्ति अलंकार　　घ. उपमा अलंकार

10 **आयेसु काह कहिअ किन मोही..** में कौन-सा अलंकार है?

क. अलंकार　　ख. रूपक अलंकार

ग. अतिशयोक्ति अलंकार　　घ. अनुप्रास अलंकार

11 **तुम्ह तौ कालु हांक जनु लावा..** में कौन-सा अलंकार है?

क. उपमा अलंकार　　ख. रूपक अलंकार

ग. अतिशयोक्ति अलंकार　　घ. उत्प्रेक्षा अलंकार

12 **यह विडम्बना! अरी सरलते, तेरी हंसी उड़ाऊं मैं....** में कौन-सा अलंकार है?

क. उपमा अलंकार　　ख. मानवीकरण अलंकार

ग. अतिशयोक्ति अलंकार　　घ. उत्प्रेक्षा अलंकार

खंड-ग (पाठ्यपुस्तक और पूरक पाठ्यपुस्तक)

4. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर 40-40 शब्दों में दीजिए। 12

1 जयशंकर प्रसाद किन कारणों से अभी अपनी आत्म-कथा नहीं लिखना चाहते हैं?

2 लक्ष्मण के अपमानजनक भाषा बोलने पर परशुराम ने अपने बारे में क्या-क्या बताया?

3 फ़ागुन में ऐसा क्या होता है, जो अन्य ऋतुओं से अलग होता है?

4 छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल, बांस था कि बबूल? कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

5 फसल के लिए किन-किन तत्त्वों की आवश्यकता पड़ती है?

6 गोपियां क्यों कहती हैं कि-हरि हैं राजनीति पढ़ि आए?

5. गद्य पाठों के आधार पर निम्नांकित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 12

1 पानवाले का रेखाचित्र 40-50 शब्दों में लिखिए।

2 बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के लिए आश्चर्य का कारण क्यों थी?

3 नवाब साहब ने खीरे की फ़ांकें सूंघकर खिड़की बाहर क्यों फ़ेंक दी थीं?

4 मन्नू भंडारी पर पिताजी के व्यक्तित्व का क्या प्रभाव पड़ा था?

5 बिस्मिल्ला खां को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?

6. कृतिका के पाठों के आधार पर निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 50-50 शब्दों में लिखिए। 4

1 भोलानाथ साथियों के साथ कौन-कौन से खेल खेलता था?

2 आप कैसे कह सकते हैं कि जितेन नार्गे को एक अच्छा गाइड था?

3 हिमालय किस प्रकार पानी संचित करके रखता है? यदि हिमालय ऐसा न करता तो क्या होता?

खंड-घ (रचनात्मक लेखन)

7. किसी एक विषय पर 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

क) जल ही जीवन है!

संकेत बिन्दु- जीवन जल पर निर्भर है, जल संरक्षण सबसे ज़्यादा आवश्यक, जल संरक्षण के उपाय

ख) जंक फूड का ज़हर

संकेत बिन्दु- जंक फूड क्या है, जंक फूड का बढ़ता चलन, जंक फूड का स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव

8. आपका छोटा भाई मोबाइल तथा कम्प्यूटर में व्यस्त रहता है। उसे मैदान में खेलने और व्यायाम करने के लिए प्रेरित करते हुए 100 शब्दों में पत्र लिखिए। 5

इति